1 धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ

शिक्षक निर्देश: पाठ को रोचक बनाने हेतु सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें।

यूँ तो भारतीय संस्कृति 'अनेकता में एकता' का उदाहरण है फिर भी आज समाज का संपन्न वर्ग निम्न वर्ग को हेय दृष्टि से ही देखता है। दोनों वर्गों के बीच व्यापक दूरी है। जब तक यह दूरी समाप्त नहीं होगी तब तक संपूर्ण भारत में सबकी स्थिति कभी समान नहीं होगी। प्रस्तुत कविता में 'नीरज' जी ने समाज में समानता लाने का संदेश दिया है।

दीये से मिटेगा न मन का अँधेरा
धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ!!

बहुत बार आई-गई यह दिवाली
मगर **तम** जहाँ था वहीं पर खड़ा है,
बहुत बार लौ जल-बुझी पर अभी तक
कफ़न रात का हर **चमन** पर पड़ा है,

न फिर सूर्य रूठे, न फिर स्वप्न टूटे,
उषा को जगाओ, **निशा** को सुलाओ!
दीये से मिटेगा न मन का अँधेरा
धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ!!

सृजन-शांति के वास्ते है ज़रूरी
कि हर द्वार पर रोशनी गीत गाए,
तभी मुक्ति का यज्ञ यह पूर्ण होगा,
कि जब प्यार तलवार से जीत जाए,

घृणा बढ़ रही है, **अमा** चढ़ रही है,
मनुज को जिलाओ, **दनुज** को मिटाओ!
दीये से मिटेगा न मन का अँधेरा
धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ!!

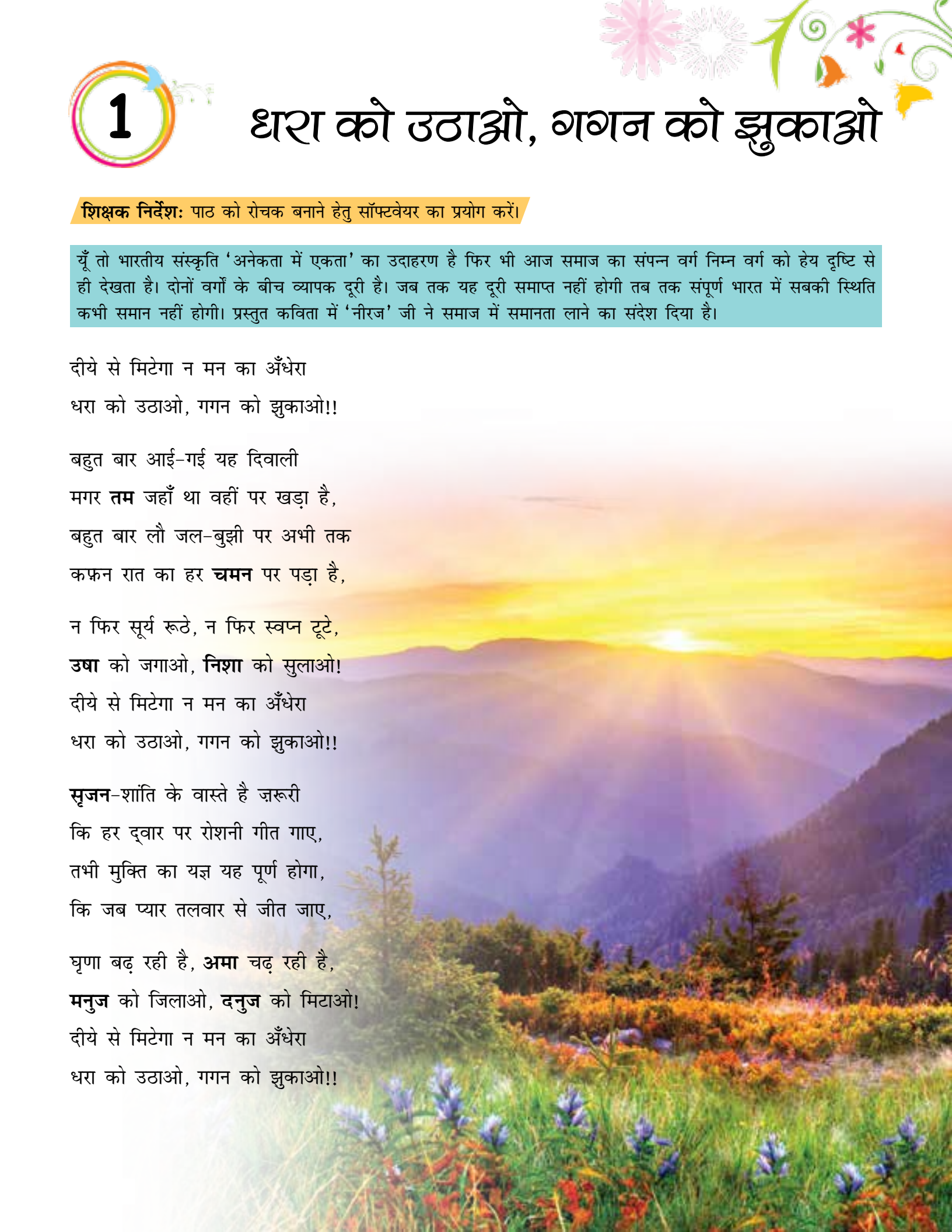

बड़े वेगमय पंख हैं रोशनी के
न वह बंद रहती किसी के भवन में,
किया क़ैद जिसने उसे शक्ति-छल से
स्वयं उड़ गया वह धुआँ बन पवन में,

न मेरा-तुम्हारा, सभी का **प्रहर** यह,
इसे भी बुलाओ, उसे भी बुलाओ!
दीये से मिटेगा न मन का अँधेरा
धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ!!

मगर चाहते तुम कि सारा उजाला
रहे दास बनकर सदा को तुम्हारा,
नहीं जानते **फूस** के **गेह** में पर
बुलाता सुबह किस तरह से अंगारा,

न फिर अग्नि कोई रचे रास इससे,
सभी रो रहे आँसुओं को हँसाओ!
दीये से मिटेगा न मन का अँधेरा
धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ!!

–गोपालदास 'नीरज'

गोपालदास 'नीरज' को हिंदी साहित्य के सर्वाधिक ख्यातिप्राप्त कवियों और लेखकों में गिना जाता है। इनका जन्म 4 जनवरी, 1924 को इटावा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। *प्राण गीत, संघर्ष, कारवाँ गुज़र गया* आदि इनकी प्रसिद्ध रचनाओं में शामिल हैं। *ऐ भाई! ज़रा देख के चलो* तथा *जैसे राधा ने माला जपी श्याम की* जैसे हिंदी फ़िल्मी गीत भी इन्होंने लिखे हैं। इन्हें 'पद्मश्री' (1991) तथा 'पद्म भूषण' (2007) से सम्मानित किया जा चुका है।

शब्दकोश

शब्दार्थ

तम – अंधकार (darkness)
चमन – बाग़ (garden)
उषा – सुबह (morning)
निशा – रात (night)
सृजन – निर्माण (creation)
अमा – अंधकार (darkness)
मनुज – मानव (human)
दनुज – दानव (devil)

प्रहर – समय (time) **गेह** – घर (home)

फूस – घास, तिनके इत्यादि (grass)

नई वर्तनी–मूल वर्तनी

शांति – शान्ति **बंद** – बन्द

द्वार – द्वार **स्वयं** – स्वयम्

अन्य भाषाओं के शब्द

कफ़न, ज़रूरी, क़ैद।

देखें हमने क्या सीखा

पाठ से

मौखिक (Speaking Skills)

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए–
   निशा, सृजन, उषा, अंधकार, घृणा, प्रहर
2. 'निशा' किसकी प्रतीक है?
3. किसके पंख 'बड़े वेगमय' हैं?
4. मुक्ति का यज्ञ कब पूर्ण होगा?

लिखित (Writing Skills)

लघूत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. अनेक दिवालियाँ बीत जाने पर भी कौन जहाँ था वहीं पर खड़ा है?
2. हर चमन पर रात का क्या पड़ा है?
3. हर द्वार पर किसके द्वारा गीत गाया जाना अपेक्षित है?
4. रोशनी के पंख कैसे हैं?
5. सभी रो रहे आँसुओं के साथ क्या किया जाए?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

1. समाज में फैले किस अंधकार को मिटाया जाना है?

.....

.....

2. 'मन का अँधेरा' से कवि का क्या तात्पर्य है?

.....

.....

3. सृजन-शांति से कवि का क्या तात्पर्य है?

.....

.....

4. तलवार को हराने से क्या तात्पर्य है?

.....

.....

5. 'मनुज' और 'दनुज' शब्द किनके लिए प्रयुक्त किए गए हैं?

.....

.....

पठित पद्यांश प्रश्न (Comprehension Questions)

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए–**

(क) इस कविता के कवि का क्या नाम है?

(i) हरिवंशराय बच्चन ☐ (ii) मुंशी प्रेमचंद ☐ (iii) गोपालदास 'नीरज' ☐

(ख) कवि ने रात की तुलना किससे की है?

(i) फूल से ☐ (ii) कफ़न से ☐ (iii) परछाई से ☐

(ग) कवि ने किसको जगाने की बात कही है?

(i) रात को ☐ (ii) सुबह को ☐ (iii) बालक को ☐

(घ) अमा का क्या अर्थ है?

(i) फूल ☐ (ii) पत्थर ☐ (iii) अंधकार ☐

2. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

(क) न फिर .....

..... को सुलाओ!

दीये से .....

..... को झुकाओ!!

(ख) घृणा बढ़ .....

..... को मिटाओ!

दीये से .....

..... को झुकाओ!!

(ग) न मेरा .....

..... भी बुलाओ!

दीये से .....

..... को झुकाओ!

(घ) न फिर .....

..... को हँसाओ!

दीये से .....

..... को झुकाओ!!

मूल्यपरक प्रश्न/उच्चस्तरीय बौद्धिक कौशल (VBQs/HOTS)

1. महात्मा गांधी को अहिंसा का पुजारी कहा जाता है। ऐसा प्रायः क्यों कहा जाता है कि उन्होंने प्यार से तलवार को हराया?
2. धरा को उठाने की बात करके कवि क्या कहना चाहता है?
3. समाज में समानता क्यों होनी चाहिए? समानता किस प्रकार लाई जा सकती है?

भाषा कौशल गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

रोचक क्रियाकलाप (Interesting Activities)

1. राजा राममोहन राय, ज्योतिबा फुले, दयानंद सरस्वती जैसे किसी एक समाज-सुधारक के जीवन को लेकर एक परियोजना तैयार कीजिए।
2. क्या सृजन के लिए शांति आवश्यक है? इस विषय पर अपने अध्यापक/अध्यापिका के निर्देशन में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कीजिए।
3. अपने पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर गोपालदास 'नीरज' की अन्य कविताएँ घर ले जाकर पढ़िए।